

LALIT. ed. Calc. 2, 12.

प्रशात्तचारिन् (प्र + चा) adj. ruhig wandelnd, Bez. einer Klasse von Göttern (?) LALIT. ed. Calc. 268, 9.

प्रशात्ता (von प्रशात्त) f. Ruhe (des Gemüths) MBH. 14, 511.

प्रशात्ति (von शम् mit प्र) f. das zur-Ruhe-Kommen, Sichberuhigen, Aufhören. Ruhe, Ruhe des Gemüths VJUTP. 34. वाङ् HARIY. 10798. म-सताम् Bālg. P. 3, 17, 31. Gegens. कर्मन् MBH. 14, 1354. तृषः Spr. 1332. Suçr. 1, 132, 4. पावकस्य das Verlöschen MBH. 1, 8152. Spr. 2178. तेषां प्रशात्तिश्च कितं प्रजानाम् Beruhigung, Besänftigung MBH. 3, 29. Mārk. P. 31, 43. तत्रा प्रशात्तिहृत् KATHA. 10, 216. मनसः MBH. 3, 982. PANKAT. 123, 21. Vāṣu-P. in Verz. d. Oxf. H. 30, b, 6.

प्रशाम् (wie eben) adj. nom. °शान् Sch. zu P. 6, 4, 15. 8, 2, 64. 3, 7. Vor. 26, 74. 3, 125. 2, 34. — Vgl. प्रशान्.

प्रशासन (von शास् mit प्र) n. Weisung, Leitung, das Führen des Regiments, Herrschaft: विशाम् RV. 1, 112, 3. 8, 61, 1. ÇAT. Br. 14, 6, 8, 9. नक्षी MBH. 3, 5533. तस्माद् सर्वेषु लोकेषु तत्रस्यैव प्रशासनमभूत् KĀND. UP. 5, 3, 7.

प्रशासितर् (wie eben) nom. ag. P. 7, 2, 34. das Regiment führend, Gebieter, Herrscher: सर्वेषाम् M. 12, 122. सम्यक्त्वैव प्रशासिता MBH. 3, 2451. 3, 5072. Spr. 2292. — Vgl. प्रशास्तर.

प्रशास्तर (wie eben) nom. ag. P. 7, 2, 34 (angeblich vedisch). Decl. 6, 4, 11. Anweiser, zugleich Bez. eines Priesters, welcher sonst Maitrāvareṇa heisst, des ersten Gehilfen des Hotar, P. 3, 2, 135, Vārtt. 1, Sch. gaṇa उद्गात्रादि zu P. 5, 1, 129. RV. 1, 94, 6. 2, 5, 4. ÇAT. Br. 4, 6, 8, 6. 14, 5, 5, 9. मित्रावरुणयोस्त्वा प्रशास्त्रोः प्रशिष्या युनश्मि VS. 10, 21. ब्रह्मन्तेताप्यामः प्रशास्तः AIT. Br. 3, 34. Āçv. Çr. 3, 1. 3, 11. KĀTJ. Çr. 9, 13, 21. 14, 9. 10, 2, 34. 14, 1, 24. 27. MBH. 14, 743. R. 2, 91, 39. Kām. NITIS. 13, 45. PANKAT. 136, 17. = राजन् König UGÉVAL. zu UṆDIS. 2, 94. — Vgl. प्रशास्त्र.

प्रशास्त्र (wie eben) n. 1) das Amt des Praçāstar RV. 2, 2, 1. — 2) das Soma-Gefäss des Praçāstar RV. 2, 36, 6. — Vgl. प्रशास्त्र.

प्रशिथिल (1. प्र + शि) adj. f. überaus locker, — lose, — schlaff: शिलाः प्रशिथिलाश्चेलुर्निपेतुश्च HARIY. 3925. °भुजग्रन्थि Spr. 2934. Suçr. 2, 409, 20. MĀKĀ. 114, 6. ÇĀK. 57, v. 1. °स्थानकरणापरिस्पन्द Or. u. Occ. 2, 694, 8 v. u. धर्म HARIY. 462. °लीभूत् Suçr. 2, 334, 19. °लीकृत Ht. 4, 17.

प्रशिष m. N. pr. eines Mannes BRAHMA-P. in Verz. d. Oxf. H. 18, b, 12. pl. seine Nachkommen 19, a, 32.

प्रशिष्ट s. u. शास् mit प्र.

प्रशिष्टि (von शास् mit प्र) f. Anweisung, Befehl, Ordnung: अस्य सु-या श्वशुरस्य प्रशिष्टिम् । सपत्न्या वाचं मनसा उपासताम् TBa. 2, 4, 8, 12. Āçv. Çr. 2, 11.

प्रशिष्य (1. प्र + शिष्य) m. der Schüler eines Schülers VJUTP. 202. Bālg. P. 4, 4, 23. BRĀHMANĀD. P. in Verz. d. Oxf. H. 9, b, 4. Davon nom. abstr. °त्व n. Cit. bei HALL in der Einl. zu SĪMĀKĀJAP. S. 9 (vgl. WILSON, SĪMĀKĀJAK. S. 190).

प्रशिम् (von शास् mit प्र; vgl. आशिम्) f. Anweisung, Befehl, Ordnung: तवेमे सप्त सिन्धवः प्रशिषं सोम सिन्धते RV. 9, 66, 6. नयन्तस्य प्रशिषो नवर्णयोः 86, 32. 10, 121, 2. AV. 5, 12, 11 (RV. in der Parallelstelle प्र-

दिम्). यस्य देवस्य प्रशिषा चरामः 6, 133, 1. 11, 8, 27. 14, 1, 53. VS. 10, 21. Āçv. Çr. 3, 1. 3, 11. TBa. 3, 7, 5, 11.

प्रशुक्रिय adj. mit प्र शुक्रा (RV. 7, 34, 1) beginnend ÇĀKĀ. Br. 22, 9. 27, 2.

प्रशुद्धि (von शुध् mit प्र) f. Reinheit: स्वरर्वा ° MBH. 3, 1366.

प्रशुश्रुक m. N. pr. eines Fürsten, eines Sohnes des Maru, R. 1, 70, 40 (72, 29 GORR.). 2, 110, 32 (119, 29 GORR.), wo wie in der Bomb. Ausg. प्र-शुश्रुव gedruckt ist). — Vgl. प्रशुश्रुत.

प्रशौचन (von शुच् mit प्र) adj. fortbrennend AV. 7, 93, 1.

प्रशोप (von शुप् mit प्र) m. das Austrocknen, Trockenheit Suçr. 1, 233, 10. तालुगल ° 288, 19. सक्थि ° 2, 232, 10.

प्रशोपण (vom caus. von शुप् mit प्र) m. der Ausdörre, Bez. eines gespenstischen Wesens HARIY. 9558; vgl. LANGLOIS I, 313.

1. प्रश्न (von प्रश्) m. P. 3, 3, 90. 6, 4, 19. VOP. 26, 180. 1) Frage, Befragung (auch vor Gericht); Streitfrage AK. 1, 1, 5, 10. H. 263. HALAJ. 1, 154. TBa. 3, 10, 9, 3. यानिव मा प्रश्नान्प्राप्तीः ÇAT. Br. 14, 4, 1, 9. 14, 6, 8, 1. KĀTJ. Çr. 4, 2, 24. 7, 8, 12. ÇĀKĀ. GRHJ. 4, 2, 4. M. 8, 55. यः प्रश्नं वितथं ब्रूयात्पृष्टः सन्धर्मनिश्चये 94. तयोः प्रश्नविवादो भूत्प्रह्लादं तावपृच्छताम् । ज्ञायान्क आचयेरिकः प्रश्नं प्रब्रूहि मा मया ॥ entscheide die Streitfrage MBH. 2, 2317. प्रश्नं ब्रूहि 2388. न विब्रुवति — प्रश्नमेतम् 2306. 2308. 2310. fgg. 13, 283. प्रश्नं तु वाञ्छन्तोमी यस्मात्त्वमनुपृच्छसि MBH. 14, 640. प्रश्नं च किंचित् (lies कंचित्) प्रष्टुं त्वाम् 1699. VARĀH. BRH. S. 1, 11. Suçr. 1, 30, 8. 15. यथाप्रश्नम् 193, 5. काम ° ÇAT. Br. 14, 6, 2, 10. 14, 7, 1, 1. सान्ति ° Befragung der Zeugen M. 1, 115. कुशल ° Erkundigung nach dem Wohlergehen MBH. 1, 1738. HIT. 25, 17. VET. in LA. 10, 20. ÇUK. ebend. 41, 8. मुख ° MBH. 12, 7050. घनामय ° ÇĀK. 64, 23. वृत्तान्त ° HIT. 123, 14. घस-त्कल्पना ° ÇĀK. 66, 3. धर्म ° MBH. 2, 2310. क्रिया ° P. 8, 1, 44. प्रश्नाध्याय SIDDHĀNTAÇR. 262. प्रश्नमेति er legt Jmd (acc.) eine Streitfrage zur Entscheidung vor: ते प्रजार्पति प्रश्नमायन् TBa. 2, 1, 8, 2. TS. 2, 3, 8, 5. 11, 9. AIT. Br. 3, 28. भवत्सु प्रश्नमागतः HARIY. 9663. तद्वै नौ तत्रैव पितरि प्रश्नः dann hat dein Vater zwischen uns zu entscheiden AIT. Br. 3, 14. das Fragen nach etwas Zukünftigem (astrol.): वर्ष ° VARĀH. BRH. S. 27, c, 1. गर्भिण्या गर्भस्य निपतनमेव प्रकल्पयेत्प्रश्ने 30, 35. °काल LAGHÚ. 3, 2. प्रश्नाभिधानकुशल Kām. NITIS. 4, 33. °निर्णय RUDRAJĀM. in Verz. d. Oxf. H. 88, b, 31. °चक्र 32. Verz. d. B. H. No. 883. Vgl. दिव्य ° देव °, दैव °. — 2) Aufgabe, Pensum (bei der Veda-Recitation) RV. PRĀT. 13, 9. प्र-श्नस्तृचः 14, 13. प्रश्नश्च ebend. Ind. St. 8, 134. Bez. kleinerer Abschnitte in einigen Büchern COLEBR. Misc. Ess. I, 73. Ind. St. 1, 71. 3, 378. fgg. Journ. of the Am. Or. S. 6, 419. — Vgl. प्रति °, प्राश्निक.

2. प्रश्न m. Geflecht, geflochtener Korb: मौञ्ज ° KAUC. 26. तितउप्रश्नौ 26, 37.

प्रश्नकोष्ठी (1. प्रश्न + को) f. Titel einer über Wahrsagerei handelnden Schrift COLEBR. Misc. Ess. II, 479 (°कोष्ठी).

प्रश्नहृत् (1. प्रश्न + हृ) f. Räthsel TRĪK. 1, 1, 116.

प्रश्नय् (von 1. प्रश्न), °यति befragen, fragen nach VOP. 21, 14. mit dopp. acc.: सर्वो कान्तोदत्तं श्रुतमपि पुनः प्रश्नयति यत् KĀYJAP. 144, 10. f.

प्रश्नविवाक (1. प्रश्न + वि) m. derjenige, welcher Streitfragen entscheidet, Schiedsrichter VS. 30, 10.

प्रश्नविवाद (1. प्रश्न + वि) m. Streitfrage MBH. 2, 2317.

प्रश्नवैज्ञव (1. प्रश्न + वै) n. Titel eines astrol. Werkes Ind. St. 1, 232.